प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

सभी पाठकों को स्वतन्त्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 12 अंक : 6 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 अगस्त, 2019 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

'चेंजिग नेचर ऑफ पार्लियामेंट डेमोक्रेसी इन इंडिया' पर सेमीनार

जनता के हितों की रक्षा करना जनप्रतिनिधि की पहली जिम्मेदारी: पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी

जयपुर। पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने विधानसभा में कहा कि भारतीय संसदीय व्यवस्था हम सभी के सतत् संघर्ष की परिणिति है। यह व्यवस्था न तो हमें सहजता से मिली है और ना ही ब्रिटिश सरकार से उपहार में मिली है। श्री मुखर्जी विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (राजस्थान शाखा) एवं लोकनीति- सीएसडीएस के संयुक्त तत्वावधान में विधायकों के लिए आयोजित एक दिवसीय सेमीनार 'चेंजिग नेचर ऑफ पार्लियामेंट डेमोक्रेसी इन इंडिया' में उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। श्री मुखर्जी ने भारतीय संविधान के अंगीकार से लेकर इसके वर्तमान स्वरूप तक हुए बदलावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान में लगातार संशोधन हुए हैं लेकिन फिर भी हमने अब तक इसकी मूल आत्मा को जीवित रखा है। उन्होंने राष्ट्रमण्डल के गठन की जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के प्रयासों से यह संभव हुआ कि इसके नाम से ब्रिटिश शब्द को हटाया गया। श्री मुखर्जी ने बताया कि प्रस्तावना भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह संविधान का अभिन्न अंग है, उच्चतम न्यायालय में बहुत से महत्वपूर्ण निर्णय इस आधार पर लिये गये हैं। उन्होंने गोलकनाथ, केशवानन्द भारती जैसे महत्वपूर्ण प्रकरणों की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरीके से भारतीय संसदीय व्यवस्था में लगातार बदलाव हुए है। उन्होंने विधायकों को अनुच्छेद 368 के पुराने तथा नए स्वरूप को गहनता से अध्ययन करने के लिए कहा जिससे संविधान संशोधन की प्रकिया में हुए बदलाव की जानकारी मिल सके। श्री मुखर्जी ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता द्वारा निर्वाचित होते है इसलिए उनकी सबसे पहली जिम्मदारी जनता के हितों की रक्षा करना है। सेमीनार को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की (राजस्थान शाखा) के उपाध्यक्ष मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने अपने व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व से देश के समृद्ध संसदीय लोकतंत्र का गौरव और बढ़ाया है। (शेष पृष्ठ 2 पर)

समर्पण संस्था द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहयोग

जयपुर। शिक्षा सहयोग श्रेष्ठ कार्य है। समर्पण संस्था द्वारा जरूरतमंद विद्यर्थियों को दी जा रही शिक्षा सहायता इन बच्चों के जीवन को रोशन करेगी तथा इन्हें जीवनभर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी। विगत 10 वर्ष पहले लगाया गया यह संस्था रूपी पौधा आज वृक्ष बनकर जरूरतमंद बच्चों को छाया दे रहा है जो अनुकरणीय है। उक्त विचार रविवार को समर्पण संस्था द्वारा राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा के ऑडिटोरियम में आयोजित 6 वें शिक्षा सहायता व समर्पण समाज गौरव सम्मान समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में ओ.बी.सी. कमीशन के चेयरमेन न्यायमूर्ति जितेन्द्र रॉय गोयल ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि देश के कोने कोने से चुने गये उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाना बहुत अच्छा कार्य है। समाज व देश हित में कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन हमेशा होते रहना चाहिए। परहित में किये गये कार्यों का प्रतिफल ईश्वर जरूर देता है।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना,समर्पण प्रार्थना व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। नैनीताल से आई श्रीमती सौम्या दुआ ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना उच्चारित की तथा समर्पण प्रार्थना संस्था के कोषाध्यक्ष श्री रामावतार नागरवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह सम्पन्न

नई दिल्ली। अखिल भारतीय बैरवा महासभा (पंजि. एस. 277) की प्रान्तीय बैरवा महासभा दिल्ली द्वारा 28 जुलाई, 2019 को प्रतिभावान छात्र/छात्राओं का द्वितीय सम्मान समारोह डॉ. अम्बेडकर भवन, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय हरिनारायण बैरवा थें।

समारोह मे माननीय रामकुमार वर्मा राज्यसभा सदस्य भी मौजूद थे। सांसद महोदय ने समाज में षिक्षा को बढावा देने। डॉ. अम्बेडकर साहब के सिद्धातों पर चलने का आह्वहान किया। छात्र/छात्राओं मे षिक्षा के प्रति जागरूकता की आवष्यकता बताई। समारोह में प्रतिभावान छात्र/छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय हरिनारायण बैरवा ने समाज में एकता स्थापित करने, भाई चारे की भावना बढाने, समाज को सही रास्ता दिखाने एवं कुरूतियाँ को दूर करने की बात कही। विषेषकर तीये की बैठक मे भोजन प्रसादी एवं नुक्ता प्रथा को बंद करने का आह्वहान किया, छात्र/छात्राओं एवं उनके माता-पिताओ को धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतनलाल बैरवा ने समाज को आगे बढाने व छात्र/छात्राओं को शिक्षा दिलाने पर बल दिया। सम्मान समारोह में दिल्ली प्रान्त के 10वीं व 12वीं में मैरिट में आने वाले 110 छात्र/छात्राओं का सम्मान किया। समारोह में दिल्ली के विधायक श्री गिरिराज सोनी जी ने भी छात्रों का उत्साह वर्धन किया। सम्मान समारोह में कुमारी मधु जिसका पालन पोषण केवल उसकी नानी श्रीमति फुलवती देवी नई दिल्ली करती है को महासभा की ओर से 5000 रुपये नकद राषि देने की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय हरिनारायण बैरवा की। इसी लड़की को श्री ललित जी गुडगांव ने 5000 रुपये, श्री पी.एम. बैरवा जी 2100 रुपये, श्री रामचन्द सुलानिया (महुआ) ने 2100 रुपये नकद दिये। कार्यक्रम में श्री औमप्रकाश नागरवाल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, श्री श्रवण कुमार रेसवाल, श्री पी.एम. बैरवा, श्री ललित कुमार, श्री रामअवतार भागवत (समाजसेवी), श्री जयसिंह भारती (समाजसेवी),, श्री प्रेमचन्द बैरवा, श्री भानु जाटवा, श्री कैलाश बैरवा, श्री हेमराज बैरवा, श्री राजकुमार गोठवाल, श्री अर्जुन मालिया, श्री आर.के. बैरवा, श्री बदरी प्रसाद भागवत, राष्ट्रीय कार्यकारिणी/प्रान्तीय कार्यकारिणी दिल्ली एवं अन्य संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद थे। मंच संचालन श्री इन्द्र जोनवाल प्रान्तीय कोषाध्यक्ष व श्री श्यामलाल कुण्डारा ने किया। दिल्ली प्रान्तीय अध्यक्ष श्री मोहनचन्द कुण्डारा ने आभार व्यक्त किया।

जयपुर के राहुल बैरवा ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी को किया फतेह

जयपुर। हौसले अगर बुलंद हों तो मंजिलें आसान हो जाती है। कुछ कर गुजरने का जज्वा अगर हममें हो तो कोई भी काम नामुमकिन नहीं होता। कुछ ऐसा ही कर दिया है जयपुर के युवा पर्वतारोही राहुल बैरवा ने।

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्र व सामान्य परिवार के राहुल ने यूरोप की सबसे ऊँची चोटी और सबसे ऊँचे ज्वालामुखी पर्वत चोटी माउंट एलब्रूस 18,510 फीट (5,642 मीटर) पर तिरंगा फहरा कर विश्व रिर्काड बनाया है। राहुल ने गत 1 जुलाई को यूरोप के सर्वोच्च पर्वत शिखर पर चढ़ाई शुरू की और जुलाई 5 को सुबह 5 बजे शिखर पर

पहुंचकर तिरंगा झंडा लहराया। शरीर को जमा देने वाले (शेष पृष्ठ 3 पर)

दलित अधिकार केन्द्र जयपुर के पी.एल. मीमरौठ ने राजस्थान के दलितों की समस्याओं को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष पुरजोर ढंग से प्रस्तुत किया

जयपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा एन.जी.ओ. प्रतिनिधियों व ह्यूमन राईट डिफण्डर का राष्ट्रीय स्तर पर एक कोर ग्रुप का पुर्न गठन किया गया है। इस कोर ग्रुप में देश भर से प्रख्यात मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को इस कोर ग्रुप में मनोनित किया है, जिसमें से राजस्थान से एन.जी.ओ. व ह्यूमन राईट डिफण्डर के प्रतिनिधियों के रूप में दलित अधिकार केन्द्र के मुख्य कार्यकारी श्री पी.एल.मीमरौठ का भी चयन किया गया है। स्मरण रहे एन.जी.ओ. प्रतिनिधियों व ह्यूमन राईट डिफेण्डर के कोर ग्रुप के पुर्न गठन के इसकी प्रथम बैठक राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा दिनांक 13 जून 2019 को नई दिल्ली मानवाधिकार भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री एच.एल.दत्तू, न्यायमूर्ति श्री पी.सी.पंत, श्रीमती ज्योतना कालरा, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, डॉ. डी.एस.मूले, सदस्य राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, आयोग के सदस्य सचिव श्री जगदीश गोविन्द सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में श्री पी.एल.मीमरौठ ने राजस्थान के दलितों पर होने वाले जातिगत भेदभाव व हिंसा पर प्रकाश डाला। आपने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा मानवाधिकारों का हनन होता है। यहां पर दलितों के साथ में आये दिन पग-पग पर अत्याचार होते है। दलितो की सुरक्षा के कई कानूनी प्रावधान बने हुये है लेकिन पुलिस प्रशासन की निष्क्रयता व दलित विरोधी मानसिकता के कारण कानूनों की प्रभावी पालना नही करने के कारण से (शेष पृष्ठ 4 पर)

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp **7073909291**

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सम्पादकीय

सुरक्षित रहें सड़कें

कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण मोटर वाहन संशोधन विधेयक संसद से अभी पास नहीं हो सका, लेकिन इस बात की पूरी उम्मीद है कि इसे उसका अनुमोदन मिल जाएगा। वर्तमान चुनौतियों के मद्देनजर पुराने पड़ चुके कानून में संशोधन जरूरी है, ताकि सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं और मृत्यु को नियंत्रित किया जा सके। जैसे-जैसे सड़कों की लंबाई बढ़ती गई, वैसे-वैसे सड़क पर मौत की घटनाएं भी बढ़ती गई। हालांकि 2017 में इसमें कुछ कमी देखी गई, इसके बावजूद एक साल में करीब डेढ़ लाख मौत कोई कम संख्या नहीं है। इसीलिए भारत की सड़कों को दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों में माना जाता है। अब शहर ही नहीं, गांव भी इसके दायरे में आ चुके हैं। आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं कि शहरों की तुलना में गांवों में ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं एवं उनसे होने वाली हानि हो रही है। चिंता की बात यह है कि यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। यह कहने में संकोच नहीं किया जा सकता कि आधुनिक विकास ने खुशियां दी हैं तो दर्द भी दे रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार की चिंता वाजिब है। चूंकि ज्यादातर सड़क दुर्घटनाएं यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण हो रही हैं। इसलिए सरकार ने इसके उल्लंघन पर कानून को कड़ा बनाने की पहल की है। विधेयक में अलग-अलग मामलों में जुर्माना पांच से दस गुना बढ़ा दिया गया है। खास बात यह है कि किशोरों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किए जाने पर उसके अभिभावकों का दंडित करने का प्रावधान किया गया है। दूसरा स्वागत योग्य कदम यह है कि ड्राइविंग लाइसेंस देने की प्रक्रिया में तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि अयोग्य ड्राइवर सड़क पर न आ सकें। दोषपूर्ण उत्पादों एव सड़कों के लिए वाहन निर्माताओं एवं ठेकेदारों को भी इसके दायरे में लाया गया है। लेकिन समस्या कानून के साथ नहीं है, बल्कि इसके क्रियान्वयन की है। वाहनों की जिस प्रकार संख्या बढ़ती जा रही है, उसी पैमाने पर उसको नियंत्रित करने वाले कर्मियों की भी जरूरत पड़ेगी। यही वह पहलू है, जहां केंद्र और राज्य का संबंध सामने आ जाता है। भले ही केंद्र सरकार इस पर कानून बना रही हो, लेकिन इसका क्रियान्वयन राज्यों की एजेंसियों द्वारा ही होगा। अगर राज्य सरकारें इसको लागू करने में तत्परता नहीं दिखाएंगी, तो इसकी सफलता संदिग्ध ही होगी। अगर इन सबकी सक्रिय भागीदारी हो तो भी जब तक समाज के व्यवहार में बदलाव नहीं आता, संशोधन का ज्यादा असर नहीं होगा।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता

100 रुपए

विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता

500 रुपए

साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

आजीवन सदस्यता

2100 रुपए

संरक्षक सदस्यता

5100 रुपए

डॉ. अम्बेडकर की राष्ट्रीय नव निर्माण में भूमिका

डॉ. अम्बेडकर का प्रादुर्भाव 14 अप्रैल, सन 1891 को उस समय हुआ, जब भारत विदेशी शक्ति के आधिपत्य से मुक्त होने के लिए छटपटा रहा था। देश में अंग्रेजी हुकूमत के प्रति विद्रोह का स्वर जोर पकड़ रहा था तभी सभी धर्मों और सम्प्रदायों के लोग पारस्परिक मतभेदों को भुलाकर एक मंच पर आ रहे थे। यह नवजागरण काल था और देश में नई चेतना का संचार हो रहा था। किन्तु नव जागरण के इस काल में भी किसी महापुरुष का ध्यान इस ओर नहीं गया कि देश के अंदर एक ऐसा वर्ग भी है, जो विदेशियों के साथज्ञ-साथ स्वदेशियों का भी गुलाम है। आदमियों की दुनिया में भी जिनके साथ पशुवत व्यवहार किया जाता है तथा जो सभी तरह के मानवीय अधिकारों से वंचित है। एक ओर अंग्रेजों की गुलामी के प्रति विद्रोह का दहकता हुआ ज्वालामुखी था, दूसरी ओर कठोर जाति-व्यवस्था, जिसके रहते निम्न और अछूत कहे जाने वाले दलित लोग हजार तरह के प्रतिबंधों के शिकार थे। सवर्ण हिन्दू कुत्ता, बिल्ली, गाय आदि पालतू जानवरों को बड़े प्यार से स्पर्श करते थे, चींटी को शक्कर अर्पित की जा सकती थी। इसमें कुछ गलत नहीं था, लेकिन अपने ही सहधर्मी इन दलितों के स्पर्श से वे अपवित्र हो जाते थे। उनकी छाया से अशौच (अपवित्रता) होता था, उनकी वाणी तक का कानों में पड़ जाना अशुभ लगता था। वे किसी कुएं से पानी नहीं पी सकते थे। मंदिरों में उनका प्रवेश वर्जित था। उनके बच्चों को पाठशालाओं में दाखिला नहीं मिलता था। अच्छी सरकारी नौकरियों, प्रतिष्ठित धंधों अथवा पुलिस विभाग में उन्हें नहीं लिया जाता था। उनकी दुनिया सवर्णों के घर झाड़ू लगाने, मैला ढोने, मरे हुए जानवरों की खाल निकालने, दास बनाकर खेतों में काम कराने तक ही सीमित थी, इसके अलावा वे अच्छा भोजन नहीं कर सकते थे, न वे स्वच्छ और नये वस्त्र पहन सकते थे, न कीमती धातु के गहने पहन सकते थे। उनके लिए यह सब निषिद्ध था। दलित दूल्हे का घोड़ी पर चढ़कर निकलना, चावल में घी खाना, बूट पहन कर गांव में घूमना...। यदि कोई ऐसी हिमाकत करता तो न केवल उसकी पिटाई होती थी, बल्कि उसे हजार तरह की यातनाओं का शिकार होना पड़ता था। जिन सवर्णों के खेतों में ये लोग काम करते थे, वे उनको भरपेट भोजन नहीं देते थे। अत: पेट भरने के लिए वे मरे हुए पशुओं का मांस खाने को मजबूर थे।

भारत के सामाजिक इतिहास में डॉ. अम्बेडकर पहले महापुरुष हुए, जिन्होंने युगों-युगों से पीड़ित, शोषित दलितों की समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा तथा उनके उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। देश का विदेशियों के शासन से स्वतंत्र होना जरूरी था, लेकिन देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक स्वतंत्रता में भी उनकी गहरी रूचि थी। उनकी राय थी कि देश की आजादी से पहले सामाजिक गैर बराबरी खत्म होनी चाहिए, ताकि स्वतंत्रता का लाभ दलितों को भी मिल सके। जब तक दलित लोग सामाजिक शोषण और अपमान के शिकार रहेंगे, तब तक उनके लिए स्वतंत्रता का कोई महत्व नहीं होगा। वे तो कल भी गुलाम थे, आज भी गुलाम हैं और कल भरी गुलाम ही रहेंगे। उनके जीवन में बदलाव आना आवश्यक है। लेकिन इस कार्य के लिए किसी भी महापुरुष का सहयोग उनको नहीं मिला, बल्कि उनकी आलोचनाएं ही हुई।

क्रमश:

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-मीमरोट, लोदवाल, बखण्ड, नगवाड़ी, वासनवाल, सामने जीणवाल न हो।
* कोटा निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम. सीए., वर्तमान में जूनियर अकाउण्डट्स ऑफिसर बीएसएनएल, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, लौड़त्या, जाटवा, मो. 9413350495
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसौदिया, जाटवा, लोहडतीया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम. पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसौदिया, जाटवा, लोहडतीया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 21 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., एम.सी.ए., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-गोठवाल, गोणावत, माली।
* जयपुर निवासी (तलाकशुदा), 31 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., बी.एड. पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भियाणा, बंशीवाल, गंगवाल, जोनवाल, मो. 9784800714
* जयपुर निवासी 28 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., एम.एस.सी., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-धावनिया, मीमरोठ, जारवाल, सामने चैडवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., अंग्रेजी, वर्तमान में जयुपर यू.को. बैंक में एसिस्टेंट, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-सुलाणिया, लकवाल, बैण्डवाल।
* जयपुर निवासी (तलाक सुदा), 36 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-कुण्डारा, डेहरवाल, बैण्डवाल व सामने देवतवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., एम.बी.ए., स्वयं का व्यवसाय, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोमलाडू, बुहाडिया, बेथाड़िया।
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., एम.कॉम. प्रथम वर्ष, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, कुण्डारा, बुआ, सामने आकोदिया न हो, मो. 9414052846

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.एड., वर्तमान में टेलरिंग का कार्य, पिता निजी कार्य, गौत्र- गोठवाल, नागरवाल, मीमरोट, कुण्डारा।
* टोंक निवाई निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.बी. आई.टी., वर्तमान में प्राईवेट कार्य, गौत्र-कुवाल मरमट, बीलवाल।
* लाखेरी निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक इलेक्ट्रोनिक इंजीनियर, वर्तमान में आई.टी. कम्पनी में कार्यरत, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-जाटवा, सीवतिया, टटवारिया, मो. 8580692811
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में सिस्टम इंजिनियर, गौत्र-भीमवाल, रेशवाल, मीमरोट, मो. 9950917562
* जयपुर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., एम.बी.ए., एस.एस.सी. पास, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, सुलाणिया, सामने बैथेड़ा ना हो।
* टोंक निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., नेट, वर्तमान में एसिस्टेन प्रोफेसर सरकारी कॉलेज, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-सिसोदिया, गजरानिया, नंगवाड़ा, सामने जाटवा ना हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक. व एम.टेक, वर्तमान में सिविल इंजी. (शाह टेक्निकल कंस्लटेन्सी, जयपुर), पिता राजकीय सेवा, गौत्र-टटवाड़िया, रेसवाल, गोठवाल।
* टोंक निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-स्पेशल बी.एड., पिता राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहर, गोमलाडू।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने महर न हो, मो. 8302594945
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-एम.सी.ए., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कोमखील एसिस्टेंट, पिता राजकीय सेवा, गौत्र मरमट, मिमरोट, कुण्डारा, मो. 7820889367
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कनिष्ठ अभियन्ता, पिता राजकीय सेवा, गौत्र डोरिया, देवतवाल, मिमरोट।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

जनता के हितों की रक्षा करना... (पृष्ठ 1 का शेष)

अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में श्री मुखर्जी जिस भी पद पर रहे हैं वहां उन्होंने अपनी विशिष्ट कार्यशैली की अमिट छाप छोड़ी है। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है। श्री गहलोत ने कहा कि राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से यह आयोजन एक अच्छी शुरूआत है। इससे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को व्यक्तित्व निर्माण और संसदीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण है कि हम सब जनप्रतिनिधि समाज और आमजन के हित में क्या योगदान देते हैं। जनकल्याण में हमारी प्रभावी भूमिका ही लोकतंत्र और देश का भविष्य निर्धारित करती है।

इस अवसर पर विधानसभा के अध्यक्ष एवं अध्यक्ष सीपीए (राजस्थान शाखा) डॉ.सी.पी. जोशी ने बताया कि प्रदेश एवं विधानसभा में पहली बार आयोजित यह सेमिनार 15वीं विधानसभा एवं विधानसभा के पूर्व सदस्यों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि देश में राजनीति के बदलते दौर में सदस्यों को देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाये रखने के लिए यह सेमीनार अपने दायित्व का भी बोध करायेगी। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के राजनीतिक जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में श्री मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि श्री मनमोहन सिंह के समय पूरी दुनिया आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही थी लेकिन श्री प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री रहते हुए इस आर्थिक मंदी में भी भारत की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ रखा।

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि दीर्घ राजनैतिक अनुभव रखने वाले पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के ज्ञान का हमें लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश एवं विभिन्न राज्यों में अलग-अलग पार्टियों का शासन है लेकिन सबका मकसद लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियों ने लोकतंत्र को आगे बढ़ाया इसमें जनता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, हमें इनसे प्रेरणा लेनी होगी।

प्रारम्भ में सीपीए के सचिव एवं विधानसभा सदस्य श्री संयम लोढा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति श्री मुखर्जी हमारे गौरव हैं और इन्होंने राजनीति ही नहीं, एक पत्रकार और प्रोफेसर के रूप में भी देश की सेवा की है। उन्होंने कहा कि देश में 70 वर्ष के दौरान प्रजातंत्र में के परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस सेमीनार का आयोजन किया, जिसमें वर्तमान सदस्यों सहित पूर्व सदस्यों को भी शामिल किया गया है।

प्रारम्भ में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, प्रतिपक्ष के नेता श्री गुलाब चन्द कटारिया एवं विधायक श्री संयम लोढ़ा ने पूर्व राष्ट्रपति एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को खुशहाली के प्रतीक हरित पौधे भेंट कर स्वागत किया, इससे पहले मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को राजस्थान विधानसभा भवन की आक्ति का स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के अन्त में सीएसडीएस के निदेशक प्रोफेसर संजय कुमार ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन डॉ. ज्योति जोशी ने किया।

पूर्वी राजस्थान में दलितों पर बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए बनाई जाएं विशेष सैल या एससी आयोग की अलग इकाई

जयपुर। राजस्थान में दलित वर्ग आज भी समाज में अपने उचित सम्मान को लेकर संघर्षरत है। दलित शोषित वग्र के खिलाफ पिछली भाजपा सरकार के पांच साल के कार्यकाल के दौरान से ही अत्याचार, शोषण, बल्लात्कार, मारपीट, उनकी जमीन हथियाने, हत्या, हमलें, जबरन गांवों से बेदखल करने, रोजगार छीन लेन, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने, सार्वजनिक स्थलों पर पानी नहीं पीने देने, दलित दूल्हों को घोड़ी से उतारने सहित अनेक अपराधों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2013 से 2015 के बीच दलितों पर अत्याचार में राजस्थान देश में नंबर वन था। तब दो सालों में करीब 24 हजार प्रकरण थानों में एस.सी./एस.टी. वर्ग ने प्रताड़ित शोषित होकर दर्ज कराए थे। यहां पांच साल में करीब पचास हजार से ज्यादा दलितों ने कई तरह की प्रताड़ना के केस दर्ज कराए थे। नेशनल क्राईम रिकॉर्ड ब्योरे के आंकड़े बताते है कि राजस्थान प्रदेश, देश के उन राज्यों में शुमार हो गया था, जहां एस.सी. प्रकरणों में चार्चशीट दाखिल करने में शुस्ती बरतने वाले राज्यों में राजस्थान अव्वल रहा केवल 44.7 फीसदी मामलों में ही चार्चशीट पेश की गई। सभी अपराधों में से 12.6 फीसदी मामले अकेले दलित वर्ग को प्रताड़ित, अपमानित, बलात्कार, यौन शोषण और अन्य प्रताड़ना से जुड़े थे। यह देखकर लगता है कि दलित समाज अपने अधिकारों से महरूम ही है। कोई ना कोई घटनाएं रोज घटित हो रही हैं, जो निंदनीय है। उल्लेखनीय है कि पिछली सरकार के समय में अजमेर संभाग मुख्यालय से कुछ किलोमीटर दूरी पर ही डांगावास में जाति विशेष के दंबग लोगों द्वारा दलित परिवार की कूंरता के साथ की गई हत्याओं और बीकानेर में डेलडा मेघवाल प्रकरण को समाज अभी भूला नहीं है। उसके जहन में डर, असुरक्षा व्याप्त है और आत्मसम्मान से जीने का अपना ऐसी घटनाओं से टूटा हुआ है। अब थानागाजी में सामूहिक गैंगरेप प्रकरण जैसी घिनोनी घटना हुई है। इसकी जितनी घोर निन्दा की जाए उतनी कम है।

घटना के बाद दलित वर्ग की निगाहें सरकार पर टिकी है। इस प्रकरण में साफतौर पर पुलिस की घोर लापरवाही और असंवेदनशीलता सामने आई है, जिस पर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। इस घटना के सभी दोषी अपराधी गिरफ्तार हो चुके है, लेकिन हमारी सरकार से मांग है कि इस केस की फास्ट ट्रेक कोर्ट में पुख्ता पैरवी करवाकर दोषियों को जल्द कठोर से कठोर सजा दिलवाएं, ताकि भविष्य में किसी अपराधी की दलित महिला की ओर आंख उठाकर देखने की भी हिम्मत ना हो सके। इस घटना में पूरा समाज पीड़िता एवं उनके परिवारजनों के साथ खड़ा है, लेकिन इस घटना का राजनीतिकरण कतई नहीं होना चाहिए। दलित वर्ग को पूरा भरोसा है कि सरकार उनकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और पिड़ता के साथ पूरा न्यास करेगी। सरकार से हमारी यह भी मांग है कि पीड़िता और उसके परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए, पीड़िता के साथ उसके परिवार का पुनर्वास व सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, और पीड़िता एवं उसके पति को राजकीय सेवा में सम्मानजनक पद पर नियुक्ति दी जाए। हमारे संज्ञान में कई सालों से यह आ रहा है कि पूर्वी राजस्थान में दलितों के साथ अत्याचार, महिलाओं के साथ बलात्कार, यौन शोषण, लूट-हत्या और अत्याचार के मामले बढ़ते जा रहा है। यहां मार्शल कौमों द्वारा उन्हें अपना निशाना बनाया जा रहा हैं। जिससे उनका रहना मुश्किल हो रहा है। पूर्वी राजस्थान के पांच जिलों अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर और सवाई माधोपुर में आये दिन दलितों के साथ हो रही घटनाओं को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठाये और यहां मार्शल कौमों द्वारा दलितों को निशाना बनाये जाने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। इसके लिए प्रदेश में सरकार कोई एक विशेष टी या समिति, एससी आयोग की अलग शाखा-ईकाई या कोई एजेंसी-आयोग बनाए जो जहां दलित अपराधों पर कन्ट्रोल की मोनिटरिंग तो करें ही साथ ही दोषियों पर कार्यवाही के लिए प्रशासन को जवाबदेह बनाए, अन्यथा इन जिलों में दलितों के हालात और बदत्तर होने की आशंका है। दलित अपराधों के कन्ट्रोल के लिए यहां प्रशासन को भी खासतौर पर मुस्तैद रहने और घटनाओं पर तुरन्त कार्यवाही के तुरन्त निर्देश दिए जाएं।

श्री अनिल गोठवाल प्रदेश महासचिव डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, श्री सुरेश कल्याणी प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान मेहतर मजदूर संघ, श्री हनुमान सिंह निर्भय राष्ट्रीय अध्यक्ष मेघवंश समाज महासंघ, डॉ. एस.के. मोहनपुरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय रैगर महासभा, श्री हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बेरवा महासभा, श्रीमती अंजूरानी कराड़िया राष्ट्रीय अध्यक्ष रैगर समाज नवनिर्माण महासमिति, श्री नत्थी सिंह जाटव प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान जाटव महासभा, श्री फूलचन्द बिलोनिया प्रदेशाध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास परिषद, श्री महेश धावनिया प्रदेशाध्यक्ष प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, श्री रणजीत सिंह जाटव प्रदेश महासचिव राजस्थान जाटव महासभा, श्री बाबूलाल राणा प्रदेशाध्यक्ष प्रान्तीय भाट, भाण्ड, राणा, ढोली नट समाज विकास समिति, डॉ. पप्पूराम कोली प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान कोली हितकारिणी महासभा, श्री प्रेमनारायण बुटोलिया अध्यक्ष राजस्थान प्रगतिशील खटीक समाज समिति, श्री संजय वर्मा प्रदेश महासचिव धोबी बसीठा समाज संस्था, श्री हरिनारायण तरदिया प्रदेश महासचिव प्रांतीय अजा/अजजा-पिछड़ी जाति विकास समिति आदि उपरोक्त सामाजिक संगठनों द्वारा पिंकसिटी प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोषियों को कठोर दण्ड दिलाने की मांग की।

जयपुर के राहुल...

(पृष्ठ 1 का शेष)

माइनस 12-15 डिग्री से नीचे के तापमान और लगातार चलती तेज हवाओं के बीच राहुल ने अपने अभियान की अंतिम चढ़ाई मात्र 5 घंटे में पूरी की।

इस दौरान उनके कुछ साथी पर्वतारोहियों की तबीयत खराब होने के कारण वापस नीचे की और लौट गए। युवा पर्वतारोही और उनके साथियों ने सुबह 5 बजे पर्वत के शिखर पर पहुंचकर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान गाया। इसके बाद राहुल ने हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय हैं। इससे पहले इसी वर्ष 11 फरवरी को राहुल ने अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमंजारी (5,895 मीटर/19,340 फीट) पर ध्वज फहराया था। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम, माता-पिता और जूनियर को दिया है। राहुल लोगों से आर्थिक मदद लेकर ही इस मुकान पर पहुंचे हैं।

रिया आर्य
पुत्री
श्री विजय कुमार बैरवा
महेश नगर
जयपुर
कक्षा 10वीं में
(95.83%)
अंक प्राप्त करने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हर्ष के दोहे

प्राथमिक शिक्षा के दिनों स्कूल में अंताक्षरी प्रतियोगिताएँ होती थी। मैं भी कक्षा चार से अंताक्षरी में भाग लेने लगा था। इस हेतु मैंने कबीर, रहीम, रैदास, तुलसी आदि के दोहे पढ़े। साहित्य की ओर मेरा सुझाव बचपन से ही हो गया था। अत: मैं भी दोहे लिखने लगा। 'हर्ष सतसई' और हर्ष दूजी सतसई की रचना इसी प्रवृत्ति का फल रही।

दोहा हिन्दी काव्य का बहुत ही लोकप्रिय लघु छंद है। इस छोटे से छंद के चार चरण में बड़ी बात कह देना सागर में सागर भर देना जैसा कार्य है। मेरी मान्यता है कि दोहा ज्ञान का दोहन है। जैसे दधि को मथते मथते मक्खन निकलता है, उसी तरह सुविचारों के बाद एक दोहे की रचना होती है। मेरे कुछ दोहे इस प्रकार है-

मनवा कुछ ना कर सके, जब लगि भरे विकार।
मन तुरंग की साध से, सामर्थ भये अपार।।

मनुष्य में जब तक विकार भरे रहेंगे, वह कुछ भी नहीं कर सकता। जिसने अपने मन रूपी घोड़े को साध लिया है उसकी सामर्थ्य अपार हो जाती है ।

प्यास बिना अमृत धरा, बिना भूख के भात।
बिना चाह के नेह ना, बिना नेह ना नात।।

बिना प्यास के अमृत और बिना भूख के भात रखा रह जाता है। उसी तरह बिना चाहत के प्रेम नहीं होता और बिना नेह के रिश्तों का कोई अर्थ नहीं रहता।

कुछ पल कोरी कल्पना, दो दिन रहे फितूर।
पीढ़ी चलती धारणा, युग युग सच का नूर।।

कल्पनाएँ कुछ पल के लिए होती हैं। फितूर कुछ दिन रहते हैं और धारणाएँ पीढ़ी भर चलती हैं। परन्तु सच का आलोक तो युग-युगों तक रहता है। व्यक्ति भौतिकवादी बाजार में तराजू तुलने को तैयार है, लेकिन फिर भी अमूल्य व्यक्ति भीड़ में अपनी पहचान बनाये हुए हैं।

रांगा नह सोना बने, कर लो लाख उपाय।
सोना तो सोना रहे, हर्ष जहाँ भी जाय।।

जैसे लाख प्रयत्न करने पर भी रांगा सोना नहीं हो पाता एवं सोना हमेशा सोना ही रहता हे, चाहे उसे कहीं भी ले जाओ। इसी तरह खरा व्यक्ति खरा ही रहेगा चाहे वह कहीं भी जाये।

प्रीति पाश कितने हर्ष, गिनती भर के लोग।
बाकी आवत जात हैं, लेकर अपने रोग।।

व्यक्ति को चाहने वाले प्रेमी लोग तो गिनती भर के ही होते हैं। बाकी तो अपने-अपने मतलब आते जाते रहते हैं।

हीना हाथों दो दिनों, दो दिन रहत बसंत।
जीना सीना जीवते, सुख दु:ख हर्ष न अंत।।

जैसे हाथों में मेहंदी दो दिन रहती है और बसंत ऋतु भी कुछ दिन ही रहती है, वैसे ही जीवन में सुख के दिन सीमित ही होते हैं। जीवन में उधेड़बुन तो लगी रहती है और सुख दुख का कोई अंत नहीं होता। वे आते जाते रहते हैं।

सच बोले अपना करे, मधु बोले से प्यार।
थू-थू हर्ष जयकार भी, वाणी के गुण च्यार।।

सच बोलने से व्यक्ति आत्मीय हो जाता है। मीठा बोलने से प्रिय हो जाता है। वाणी से ही निंदा होती है और जयकार भी। इस तरह वाणी के चार गुण है। कहने की अभिप्राय है कि व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए।

सार-सार सज्जन गहे, दुर्जन गहे असार।
हर्ष विवेकी तोलता, बोले सोच विचार।।

सज्जन व्यक्ति हमेशा सार की अर्थपूर्ण बातें ही गहण करता है और दुर्जन व्यक्ति हर्थहीन बातें। समझदार व्यक्ति सोच समझकर एक-एक शब्द को तोलकर बोलता है। **क्रमश:**

- हरदान हर्ष

समर्पण संस्था द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा....

(पृष्ठ 1 का शेष)

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट दौलत राम माल्या ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों, समर्पण समाज गौरव के अवार्डी, शिक्षा सहायता विद्यार्थियों, दानदाताओं, सदस्यों तथा सभी दर्शकों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए मानवता की इस मशाल को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। श्री माल्या ने कहा कि हमारा जीवन अर्थपूर्ण तब बनता है जब समाज के संवेदनशील होते है। बच्चों को बचपन से ही समाज हित की बातें जरूर बतानी चाहिए ताकि वे बड़े होकर देश व समाज के लिए कार्य करें।

समारोह में संस्था की परिचयात्मक फ़िल्म (डॉक्यूमेंट्री) का विमोचन भी किया गया। इस फ़िल्म में संस्था द्वारा समाजहित में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके साथ ही संस्था की चतुर्थ स्मारिका समर्पण 2019 का विमोचन भी किया गया। स्मारिका में संस्था की गतिविधियों के साथ शिक्षाप्रद लेख व भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का विवरण दिया गया है। विमोचन के अवसर पर स्मारिका के प्रधान संपादक पूर्व जिला न्यायाधीश श्री उदयचंद बारूपाल जी ने कहा कि स्मारिका में सकारात्मक सोच के साथ मानवता की भावनाओं का समावेश करते हुए लेखकों व कवियों ने अपने श्रेष्ठ लेखन का परिचय दिया है। समारोह में चयनित 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता के तहत किताबें, फीस के चेक, नोटबुक्स, स्कूल बैग, यूनिफॉर्म, स्टेशनरी आदि वितरित की गई। साथ ही देश के हर क्षेत्र से चयनित 50 विभूतियों को समर्पण समाज गौरव 2019 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 13 श्रेणियों में अलग-अलग क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो के लिए दिया गया । जिसमें सांगली (महाराष्ट्र) के पद्मश्री डॉ. विजय कुमार शाह को मदरटेरेसा समर्पण समाज गौरव 2019 , दिल्ली के श्री सत्य प्रकाश भूपेन हज़ारिका समर्पण समाज गौरव 2019, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती विदुषी गर्ग को रानी लक्ष्मीबाई समर्पण समाज गौरव 2019, नैनीताल की लेखिका व गायिका श्रीमती सौम्या दुआ को मुंशी प्रेमचन्द समर्पण समाज गौरव 2019 , एस एम एस मेडिकल कॉलेज के आचार्य डॉ. अभिषेक अग्रवाल को डॉ. विधान चन्द्र रॉय समर्पण समाज गौरव 2019 से नवाज़ा गया।

इस अवसर पर रक्तदाता प्रेरक, समारोह स्पॉन्सर्स, संस्था में नए जुड़े मुख्य संरक्षक व संरक्षक सदस्यों को भी सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही नृत्य निर्देशिका श्रीमती अंजू माथुर के निर्देशन में बालिकाओं द्वारा एक राजस्थानी रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

समारोह में महाराष्ट्र के पदम श्री डॉ. विजय कुमार शाह अरुणाचल प्रदेश के श्री रूबु ताड़ी, ज्योति विद्यापीठ विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती विदुषी गर्ग , नगर निगम वित्त समिति के चेयरमैन श्री राम निवास जोनवाल, बाल कल्याण समिति के चेयरमैन श्री नरेंद्र सिखवाल, राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के चेयरमेन डॉ. बी. एल. जाटावत विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ. विजय कुमार शाह व श्री रुबू ताड़ी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में बाड़मेर से आए श्री सालिगराम परिहार व शांतीकुमारी डोम तथा अरुणाचल प्रदेश के श्री रुबू ताड़ी व श्रीमती रूबु डिबिंग ने संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलत राम माल्या को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। महाराष्ट्र के पद्मश्री डॉ. विजय कुमार शाह ने कम्यूनिटी वेलफेयर फ़ाउन्डेशन ऑफ़ इन्डिया की तरफ़ संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलत राम माल्या को स्वामी विवेकानन्द ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया। संस्था के प्रधान मुख्य संरक्षक जनाब अब्दुल सलाम जौहर ने सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। मंच संचालन दूरदर्शन के समाचार वाचक श्री गौरव शर्मा ने किया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की डिनर पार्टी में 160 मंत्री-विधायक पहुंचे

जयपुर। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के डिनर डिप्लोमेसी कार्यक्रम के तहत बुधवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को सभी विधायक, मंत्री व विधानसभा अध्यक्ष को डिनर पार्टी दी। इस पार्टी में सरकार के अफसर भी मौजूद रहे। इस पार्टी के लिए सीएम ने सभी को परिवार सहित आमंत्रित किया था। पार्टी में कांग्रेस के 93 विधायक पहुंचे, जबकि शेष विधायक बीजेपी, बसपा, निर्दलीय व अन्य पार्टियों के थे। कुल करीब 160 नेता और परिवारजन पहुंचे।

पार्टी में विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, डिप्टी सीएम सचिन पायलट, भाजपा के गुलाबचंद कटारिया सहित कई नेताओं की मौजूदगी अहम रही। ये सब एक - दूसरे से परिवार सहित मिलते रहे। सीएम अशोक गहलोत व उनकी फैमिली सभी से आत्मियता से मिलते दिखाई दिए। गौरतलब है कि सीएम अशोक गहलोत बजट पारित कराने के बाद इस तरह की पार्टी देते आएं है। वह अपने पिछले कार्यकालों में भी ऐसा करते थे।

एनजीओ समाज के लिए समर्पण भाव से कार्य करें: ममता भूपेश

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने कहा है कि समाज

की बेहतरी के लिए समर्पणभाव से कार्य करने वाले एनजीओ की राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। जो एनजीओ अच्छा कार्य कर रहे हैं उनको बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनजीओ भी पूरी ईमानदारी से अपना कार्य करें और उदाहरण पेश करें कि वे वास्तव में धरातल पर काम कर रहे हैं।

श्रीमती ममता भूपेश जयपुर स्थित एक होटल में महेज फाउण्डेशन तथा जस्ट स्मार्ट हेल्थ एण्ड सोशल डवलपमेन्ट फाउण्डेशन की ओर से आयोजित छटी नेशनल एनजीओ एण्ड सीएसआर समिट-2019 को सम्बोधित कर रही थी।

दलित अधिकार...

(पृष्ठ 1 का शेष)

दलित जातिगत हिंसा व भेदभाव के शिकार हो रहे है। इस कोर ग्रुप की बैठक में देशभर से प्रख्यात मानवाधिकारों पर काम करने वाले कार्यकर्ता ने मानवाधिकारों के संवर्धन व संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा राज्यों के मानवाधिकार आयोगों को सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए दिशा निर्देश जारी करने की मांग की ताकि राज्यों में मानवाधिकार ज्यादा से ज्यादा सुनिश्चित हो सके।

नाबालिग ने एक्सीडेंट किया तो अभिभावक को 3 साल की जेल

नई दिल्ली। सड़क हादसे कम करने के लिए मोटर व्हीकल एक्ट के सख्त प्रावधानों पर बुधवार को राज्यसभा ने भी मुहर लगा दी। मोटर व्हीकल संशोधन बिल राज्यसभा में 13 के मुकाबले 108 वोटों से पारित हुआ। ट्रैफिक नियम तोड़ने पर सख्त सजा से जुड़ा यह बिल लोकसभा में पारित हो चुका है लेकिन टाइपिंग की गलती के कारण इसे संशोधन के लिए दोबारा लोकसभा में भेजा जाएगा। लोकसभा की मंजूरी के बाद इसी सप्ताह यह बिल राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रपति के दस्तखत होने के बाद अगस्त के मध्य तक बढ़ी हुई पेनल्टी लागू हो जाएगी। यह पेनल्टी हर साल 10त्न बढ़ेगी। बिल में प्रावधान है कि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए एक्सीडेंट करता है, तो उसके पेरेंट्स को तीन साल तक जेल होगी। वाहन रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाएगा और जुवेनाइल एक्ट के तहत मामला चलेगा। शराब पीकर गाड़ी चलाने पर 2 हजार की बजाय 10 हजार रुपए जुर्माना लगेगा।

थर्ड पार्टी बीमा भी जरूरी है। हिट एंड रन के मामले में मौत होने पर 2 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा, जो पहले 25 हजार था। मोटर व्हीकल एक्सीडेंट फंड बनाया जाएगा। इसमें सड़क पर चलने वाले सभी चालकों का इंश्योरेंस होगा। इसका इस्तेमाल घायल के इलाज और मृत्यु होने पर परिजनों को मुआवजा देने के लिए किया जाएगा। लर्निंग लाइसेंस के लिए पहचान पत्र का ऑनलाइन वेरीफिकेशन अनिवार्य होगा। कमर्शियल लाइसेंस 3 के बजाय 5 साल के लिए मान्य होंगे। लाइसेंस रिन्यूवल अब खत्म होने के एक साल के अंदर कराया जा सकेगा। ड्राइवरों की कमी पूरी करने के लिए ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोले जाएंगे। नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन डीलर करेगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने करीब तीन घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस कानून से राज्यों के अधिकारों में कोई कटौती नहीं होगी। सभी राज्य सरकारें अपनी सुविधा के अनुसार राष्ट्रीय परिवहन नीति लागू कर सकेंगी।

बिना लाइसेंस वाहन चलाया तो अब पांच हजार रु. का जुर्माना

कारण	पहले (रु.)	प्रस्तावित (रु.)
ओवर लोड	2000	20000
ओवर लोड पैसेंजर	-	200 प्रति अतिरिक्त सवारी
सीट बेल्ट	100	1000
बगैर इंश्योरेंस	1000	2000
सामान्य	100	500
आदेश का उल्लंघन	500	2000
बगैर लाइसेंस	500	5000
ओवर साइज वाहन	-	5000
ओवर स्पीड	400	एलएमवी 1000 और एमपीवी 2000
खतरनाक ड्राइविंग	1000	5000 तक
ड्रंकन ड्राइविंग	2000	10000
स्पीडिंग/ रेसिंग	500	5000
बगैर परमिट	5000 तक	10000 से 25000 तक
एंबुलेंस को रास्ता नहीं दिया तो		1000 रु. जुर्माना

M.: 9828287615
नोटेरी पब्लिक भारत सरकार
प्रेम चन्द बैरवा
एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
कोर्ट: बार एसोसिएशन के सामने, ग्रीन वाटिका परिसर, सैशन कोर्ट, बनीपार्क, जयपुर
निवास/ऑफिस:
129-ए, टैगोर नगर, करतापुरा, जयपुर

सेहरा एस्टेट
जे.डी.ए. अप्रुव्ड/अनप्रुव्ड प्लाट, फ्लैट, बंगला, विला, फार्म हाऊस आदि के क्रेता एवं विक्रेता
सी.एल. वर्मा
संवानिवृत्त आई.आर.ए.एस.-रेलवे
M.: 9057203997, 9001193105
ऑफिस: डिवाइन पब्लिक स्कूल के सामने, मैन 80 फीट रोड, महेश नगर, जयपुर
निवास: 67-ए (प्रेमपुंज) सूरज नगर पूर्व, सिविल लाईन्स, जयपुर

श्री बाबा समाचार पत्र के आजीवन सदस्य बनने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री बाबूलाल बैरवा
ए.ओ. (एल.आई.सी.) कोटा

श्री दिनेश कुमार बंशीवाल
स. अभि. (RRVPNL) जयपुर

श्री बाबा समाचार पत्र के विशिष्ठ सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री राजेन्द्र आनन्दकर
से.नि. प्रशासनिक अधिकारी
जयपुर

श्री किशोरी लाल वर्मा
प्रबंधक
जयपुर

श्री बद्रीप्रसाद बैरवा
बैंक अधिकारी, पी.एन.बी.
जयपुर

श्री मांगीलाल पालीवाल
समाजसेवी
जयपुर

श्री मदनलाल बैरवा
व. अधीक्षक पासपोर्ट
जयपुर

श्री लादूराम बैरवा
सदस्य जयपुर शहर
जिला कांग्रेस कमेटी

श्री राजेन्द्र कुमार बैरवा
महासचिव अम्बेडकर
विचार मंच जयपुर

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com